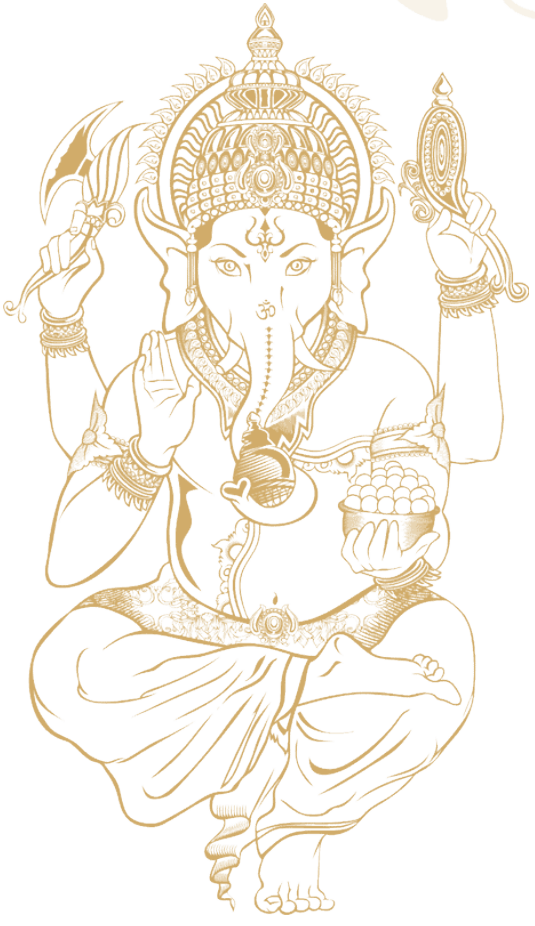

Rahul agarwal

28 Jun 1993

08:10 PM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121541502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/06/1993**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**20:10:00 घंटे**
इष्ट	36:26:28 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:43:20 घंटे
वेलान्तर	-00:03:11 घंटे
साम्पातिक काल	14:10:08 घंटे
सूर्योदय	05:35:24 घंटे
सूर्यास्त	19:24:15 घंटे
दिनमान	13:48:51 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	13:07:58 मिथुन
लग्न के अंश	25:19:23 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	शिव
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	25:19:23	367:22:20	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
सूर्य			मिथु	13:07:58	00:57:12	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	बुध	सम राशि
चंद्र			तुला	05:05:07	14:03:12	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	सम राशि
मंगल			सिंह	09:17:36	00:34:56	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध			कर्क	04:07:51	00:14:01	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
गुरु			कन्या	12:05:31	00:04:42	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	28:20:46	01:03:04	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	सम राशि
शनि	व		कुंभ	06:16:58	00:01:46	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु			वृश्चि	18:14:21	00:01:30	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु			वृष	18:14:21	00:01:30	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	सम राशि
हर्ष	व		धनु	26:59:32	00:02:19	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
नेप	व		धनु	26:21:23	00:01:34	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	---
प्लूटो	व		तुला	29:16:44	00:01:04	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	सूर्य	---
दशम भाव			तुला	11:02:49	--	स्वाति	--	15	शुक्र	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:15

लग्न-चलित

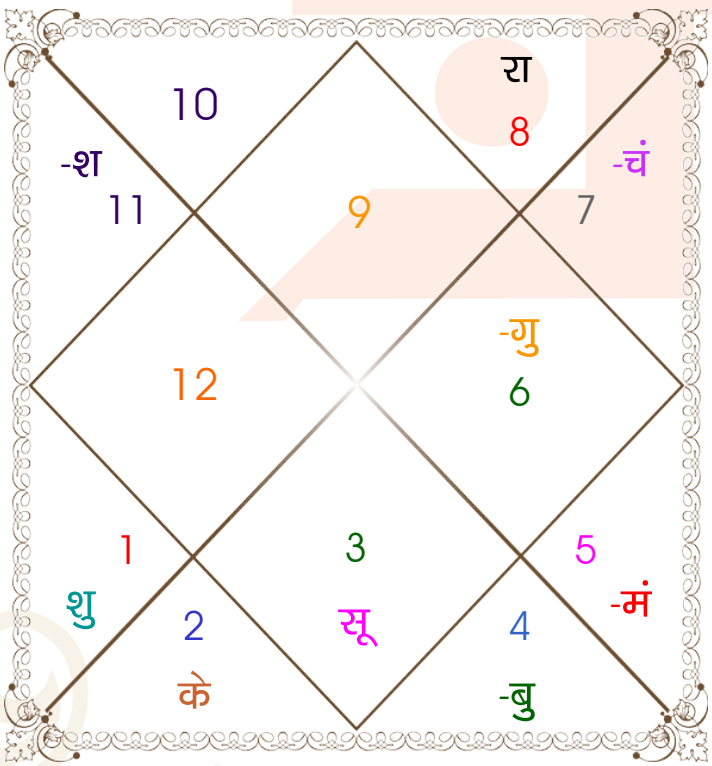

चन्द्र कुंडली

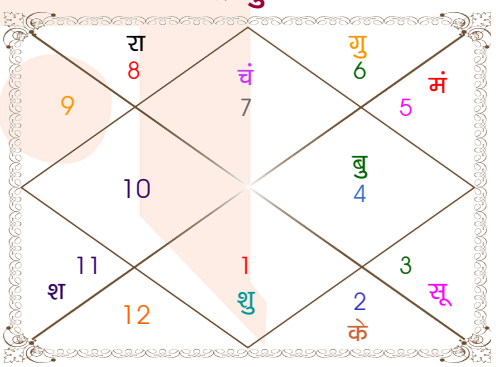

नवमांश कुंडली

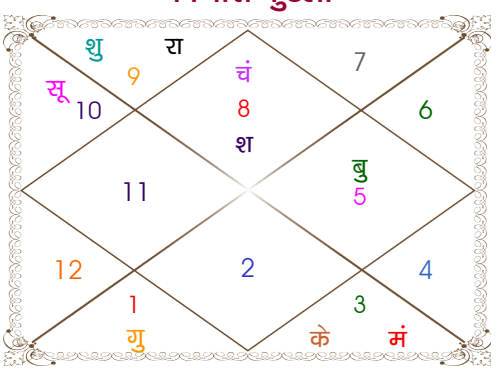

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 0 वर्ष 9 मास 29 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
28/06/1993		28/04/1994		27/04/2012		27/04/2028		28/04/2047	
28/04/1994		27/04/2012		27/04/2028		28/04/2047		27/04/2064	
	00/00/0000	राहु	08/01/1997	गुरु	15/06/2014	शनि	01/05/2031	बुध	23/09/2049
	00/00/0000	गुरु	03/06/1999	शनि	27/12/2016	बुध	08/01/2034	केतु	21/09/2050
	00/00/0000	शनि	09/04/2002	बुध	04/04/2019	केतु	17/02/2035	शुक्र	22/07/2053
	00/00/0000	बुध	27/10/2004	केतु	09/03/2020	शुक्र	18/04/2038	सूर्य	28/05/2054
	00/00/0000	केतु	14/11/2005	शुक्र	08/11/2022	सूर्य	31/03/2039	चंद्र	27/10/2055
	00/00/0000	शुक्र	14/11/2008	सूर्य	28/08/2023	चंद्र	30/10/2040	मंगल	24/10/2056
	28/06/1993	सूर्य	09/10/2009	चंद्र	27/12/2024	मंगल	09/12/2041	राहु	13/05/2059
सूर्य	27/09/1993	चंद्र	10/04/2011	मंगल	03/12/2025	राहु	15/10/2044	गुरु	18/08/2061
चंद्र	28/04/1994	मंगल	27/04/2012	राहु	27/04/2028	गुरु	28/04/2047	शनि	27/04/2064

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/04/2064		28/04/2071		28/04/2091		27/04/2097		29/04/2107	
28/04/2071		28/04/2091		27/04/2097		29/04/2107		00/00/0000	
केतु	23/09/2064	शुक्र	27/08/2074	सूर्य	15/08/2091	चंद्र	26/02/2098	मंगल	25/09/2107
शुक्र	23/11/2065	सूर्य	28/08/2075	चंद्र	14/02/2092	मंगल	27/09/2098	राहु	13/10/2108
सूर्य	31/03/2066	चंद्र	27/04/2077	मंगल	21/06/2092	राहु	29/03/2100	गुरु	18/09/2109
चंद्र	30/10/2066	मंगल	27/06/2078	राहु	16/05/2093	गुरु	29/07/2101	शनि	28/10/2110
मंगल	28/03/2067	राहु	27/06/2081	गुरु	04/03/2094	शनि	27/02/2103	बुध	25/10/2111
राहु	15/04/2068	गुरु	26/02/2084	शनि	14/02/2095	बुध	28/07/2104	केतु	23/03/2112
गुरु	22/03/2069	शनि	28/04/2087	बुध	21/12/2095	केतु	26/02/2105	शुक्र	23/05/2113
शनि	01/05/2070	बुध	26/02/2090	केतु	27/04/2096	शुक्र	28/10/2106	सूर्य	29/06/2113
बुध	28/04/2071	केतु	28/04/2091	शुक्र	27/04/2097	सूर्य	29/04/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 0 वर्ष 9 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म पूर्वाभाद्र पद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में धनु लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर धनु लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं सिंह राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके प्रभाव से यह स्पष्ट सूचित हो रहा है कि आपका जीवन आरामदेह एवं प्रसन्नता प्रदायक होगा। प्रकृति ने आपको दृढ़ निश्चयी बना कर अपने जीवन हेतु प्रयत्नशील रहकर अपने स्वयं के लिए सहायक बनाया है।

धनु जन्म लग्न एवं सिंह द्रेष्काणा का प्रभाव विभिन्न प्रकार के विषयों से संबंधित अनेक प्रकार के कर्म चिंतन का सामंजस्य पूर्ण व्यवस्था निरूपित करता है। परंतु वृश्चिक नवमांश के प्रभावानुरूप आपको आक्रामक एवं असंगत प्राणी हो ऐसा प्रतीत होता है। आपका जीवन आरामदेह एवं प्रचूर धन संपत्ति से युक्त सृदृढ़-स्वस्थ्य जीवन का आनंद प्राप्ति का प्रतीक बताता है। परंतु वृश्चिक राशीय प्रभाव के अनुसार यह संभाव्य है कि आप गरीबी जीवन में भी आ सकते हैं। अर्थात् आपका जीवन अभावग्रस्त एवं रोगगस्त भी हो सकता है। अतः आपको अपने जीवन में उन्नति किस प्रकार करेंगे यह आपके कार्य एवं विचार शैली पर निर्भर करता है।

आप धन सम्पत्ति का उपार्जन कर निश्चित रूप से उसे सुरक्षित रखेंगे क्योंकि आप एक विशाल हृदय के प्राणी हैं। आप बहुत अधिक दान कर सकते हैं क्योंकि आप इस दान धर्म के लिए समर्थ प्राणी हैं। आपको इस प्रकार के कार्य के ऊपर नियंत्रण रखेंगे। तब यह संभाव्य है कि आप में शीघ्रतापूर्वक आनन्द लूटने की प्रलोभन में फंसकर उसका चिंतन करेंगे। आपको शान्तिपूर्वक अनर्थकारी कार्यक्रम के प्रति विपरीत आचरण करना चाहिए। आप को जूआ-सट्टा आदि गलत कार्यों का त्याग करना चाहिए।

आपके स्वास्थ्य के संबंध में विचारणीय यह है कि आप यात्रा अधिक करते हैं। इस कारणवश आपका स्वास्थ्य विकृत हो जाने की आशंका है क्योंकि आप असामयिक अधिक भोजन करते हैं। इसके अतिरिक्त अन्य कोई उपाय नहीं है कि आप स्वास्थ्य एवं प्रसन्न रह सकें। अन्यथा आप रोगादि की संभावना में पड़कर सर्दी, जुकाम, कफ, जुकाम, गठिया, वायु, रक्तचाप रोग से सामना कर सकते हैं।

आपको अपने परिवार का भली प्रकार भरण-पोषण करने के लिए आपमें यह योग्यता आवश्यक रूप से होना नितांत आवश्यक है कि आप किस प्रकार धन प्राप्त करके अपने परिवार का भरण-पोषण करेंगे। आप बहुत बड़े विश्वासी है तथा सदैव आप विश्वसनीयता पूर्वक सत्याचरण करते हैं। तथा यह भी मानते हैं कि सत्य ही सब कुछ है। यह सन्देह है कि इन बातों का आप ध्यान नहीं रखते है कि इसका कोई प्रभाव अन्यों पर पड़ता है या नहीं। आप सदैव ईश्वर के प्रति श्रद्धावान होकर धार्मिक भावनाओं से युक्त होकर अनेक तीर्थ स्थानों का भ्रमण करेंगे तथा परोपकार हेतु दान प्रदान करेंगे।

आपके लिए कतिपय अच्छे कार्य व्यवसाय के प्रति अपनी अभिलाषा के अनुसार अपनी बुद्धि को अनुकूल कर सकते हैं। इनमें पुस्तक प्रकाशन, सम्पादन कार्य, शैक्षणिक

संस्थान के संचालन का कार्य व्यवसायों का चयन कर सकते हैं।

आप निम्नांकित संभाव्य नियम के आधार पर अनुकूल कार्य शैली का सृजन कर सकते हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सफेद, क्रीम, सूआ पंखी, नीला, हरा और नारंगी रंग आपके लिए अच्छा है। परंतु इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग आपके लिए अव्यवहारणीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में गुरुवार, एवं रविवार का दिन अनुकूल एवं शुभ फलदायक हैं, परंतु शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं समस्यापूर्ण रहेगा।